S.S. Bhatnagar

भटनागर सभा
उदयपुर–313001
(INFORMATION BULLETIN)
सूचना–पत्र

कैलाश नारायण भटनागर
अध्यक्ष
•
देवेश भटनागर
महामंत्री
•
अरूणा गुहानिया
समाज एवं सांस्कृतिक मंत्री

वर्ष 15, अंक 5 (46)
6 नवम्बर 2002

❖

सम्पादक मण्डल
डॉ. राजेन्द्र मोहन
•
मोहन सिंह जालोरी
•
प्रेम सिंह बुन्देला
•

हम कृतार्थ हैं उनके जिन्होंने समय–समय पर सामाजिक कार्य, संगठन व उत्थान के लिये विभिन्न स्तर पर प्रत्यक्ष या परोक्ष में, पास या दूर रहकर विचार या संदेश से तन–मन–धन से समाज को संबल दिया। मैं सभी चित्रांश बन्धुओं का विनम्र अभिवादन करते हुए इसी कार्य की क्रियान्विति में एक कड़ी बनकर इस संदेश के माध्यम से अपने विचार प्रेषित कर रहा हूँ।

संगठन, अनुशासन, सजगता व सामाजिक दायित्व कोई शब्द संयोजन मात्र नहीं हैं, वरन् प्रत्येक सामाजिक इकाई के अविरल विकास की श्रृंखला है। जिसने इसे समझा व आत्मसात् किया, निरन्तर विजय सोपान बढ़ता गया और जिसने इसे जीवन में चरितार्थ नहीं किया वह ठहरे हुए पानी की तरह दूषित हो कूप मण्डूक ही रह गया। कतिपय अन्य समाज जो कालान्तर में सतत् प्रयास से आगे बढ़ते गये, वे अग्रणी हो गये। हम भी उनसे उदाहरण लें, व आगे बढ़ें। हम इतिहास पर गर्व तो कर सकते हैं और करना भी चाहिये पर उसे बैसाखी बनाकर उत्थान नहीं कर सकते। हमारा वर्तमान संघर्ष ही काम आएगा। उत्सर्ग की भावना से वर्तमान पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशाज्ञान मिलें, हम हतोत्साह न हों, नैराश्य भाव, आलस्य एवं प्रमाद त्यागें। उद्घाटन पट्ट के पत्थर बनने की होड़ केवल दिखावटी आडम्बर है। बिना नींव के कोई मजबूत भवन खड़ा नहीं होता किन्तु नींव का पत्थर किसी को दिखता नहीं है। हम एक सशक्त नींव बनें जिस पर हमारी भावी पीढ़ी एक सशक्त व अग्रणी समाज का भवन खड़ा कर सके। समयानुसार सामाजिक व्यवस्थाओं में उचित बदलाव जरूरी है। किसी ने सही कहा है "केवल मूर्ख अपना विचार नहीं बदलते।" कोई सुझाव छोटा या बड़ा नहीं होता। उस पर अमल करना बड़ी बात होती है। इसी क्रम में कतिपय विचार बिन्दु जो अक्सर हम सोचते हैं, पर व्यक्त नहीं कर पाते क्योंकि उसके लिये एक विचारधारा, एक वातावरण व एक बदलाव की जरूरत है। यही सही समय है जब अन्य अग्रणी समाज की तरह किन्तु अपनी मौलिकता व संस्कृति का निर्वहन करते हुए हमें बदलना चाहिये।

❖ सभी को अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज के विकास में योगदान देना चाहिये। कोई भी कार्य तब तक असंभव है जब तक कोई उसे संभव नहीं कर देता। धन के अभाव में किसी भी कार्य को मूर्त रूप नहीं दे सकते चाहे वो समाज सुधार का कार्य हो या शिक्षा, मनोरंजन, विभिन्न सहायता अथवा अन्य गतिविधियां जो तात्कालिक या क्रमिक योजनाबद्ध हो सकती है।

....(2)

दीपावली एवं नववर्ष पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं

भटनागर सभा, उदयपुर

- यदि हम बीमार होते हैं तो इलाज के लिये हर संभव व्यवस्था करते हैं, फिर यदि आज समाज हमारी सामाजिक स्थिति बीमार है तो हम तन–मन–धन से समाज की तुरंत सहायता क्यों नहीं कर सकते ? हमें रूग्ण रीति–रिवाज, अच्छे–बुरे सभी कार्यों में होने वाले अपव्यय व क्षरण को रोकना होगा।

- प्रतिमाह प्रति कमाउ / सक्षम व्यक्ति से एक निश्चित तयशुदा राशि या उसकी आय का कुछ पूर्व निर्धारित प्रतिशत–वार्षिक / अर्द्धवार्षिक किश्त के हिसाब से समाज में जमा कराना चाहिए। तद् विषयक प्रतिबद्धता के नियम भी सुनिश्चित किये जाएं – यही व्यवस्था अन्य समाजों में कई रूप में प्रचलित है।

- संभावित सदस्य संख्या की प्रतिवर्ष गणना कर नए सदस्य बनाने का अभियान चलाया जाना चाहिये। तभी सदस्य बढ़ेंगे व भागीदारी भी बढ़ेगी।

- बहुआयामी परिवार निर्देशिका का संपादन करना चाहिये जिसमें अलग–अलग जरूरत के अनुसार सूचना का संयोजन हो सके। समाज के सदस्यों के व्यवसाय स्थल, विभाग व संपर्क दूरभाष आदि की पूरी जानकारी हो जिससे समाज के सदस्य विभिन्न कार्यालयों व व्यवसायों में परस्पर सहायता कर सकें।

- अपने–अपने कार्यानुसार समाज हित में सहायता, सूचना का समय सुनिश्चित करें जिसमें सभी व्यवसायिक – विकित्सा, अभियन्ता, शिक्षा, अन्य तकनीक व व्यवसाय के बारे में जरूरत मन्द को सूचना – सहायता – दिशाज्ञान दे सकें।

- भटनागर समाज अपने स्तर पर सामूहिक विवाह के नियम – निर्देशन निर्धारण कर उनका संयोजन करें। अधिक से अधिक इसकी प्रेरणा देवें। इससे होने वाली मितव्ययता से कुछ अंशदान समाज के उपयोग के लिये भी सुनिश्चित किया जा सके।

- बीमार व्यक्ति को देखने – मिलने वालों का समय सुनिश्चित होना चाहिये जिससे आने–जाने वालों से बीमार, सुश्रुषा करने वालों को असुविधा न हो।

- अल्प साधन व विपन्न वर्ग को साधन–सम्पन्न व सक्षम वर्ग खुशी से सहारा दें व सहायता करें तो एक सामाजिक सौहार्द व सहिष्णुता का वातारण बन सकता है।

- पुरानी मान्यताओं को सही परिपेक्ष्य में देखें। अनुभव के आलोक में ज्ञान को समझें व बढ़ाएं, इससे ही पीढ़ी के सभी सदस्यों में सामंजस्य बढ़ेगा।

- अन्त में हमारे पथ को अपने सघन आशीर्वाद से आलोकित करने वाले भगवान परम पूज्य पिता श्री चित्रगुप्त जी महाराज से इस समस्त संसृति की उन्नति की प्रार्थना करते हैं :–

ब्रह्मा के भी हृदय प्रांत में, जिनका सूक्ष्म निवास,
चित्त लीन है, चित्र लीन है, लीन श्वास – प्रश्वास।
जिस कटाक्ष से आकर झोंका, देता सबको श्वास,
पलछिन, हर आयाम जगत के, बाँध कलम की पाश।
वाणी भी वाचाल बने तो, वर्णन से लाचार,
मानव मन का लेखा जोखा, जो सबसे दुश्वार।
सबल लेखनी में समेट कर, जिह्वा का अधिकार,
चित्रगुप्त भगवान् जगत का, करें सदा उपकार।
करते सबको कलमबद्ध जो, नीर–क्षीर साकार,
उसी लेखनी के कर्ता को, नमन करें शत् बार।

— डॉ. एल. के. भटनागर
M.D., F.I.A.C.M., F.I.C.P.

यदि आपके यहां कोई सुखद घटना यथा विवाह, शिशु जन्म, गृह प्रवेश, राज्य जिला या राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है तो इस खुशी में समाज को भी भागीदार बनायें। कृपया अपने क्षेत्रीय प्रतिनिधि को लिखित में सूचित करें। हम सूचना–पत्र में निःशुल्क प्रकाशित करेंगे।

इनसे मिलिये: हमें इन पर नाज है।

इस बार हम आपका परिचय ऐसी प्रतिभा से करा रहे हैं जो इन्जीनियरिंग के साथ–साथ खेलकूद शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अग्रणी रही है।

अभिरुचि की रूचि लेखन एवं अध्यापन में

कुमारी अभिरूचि कानूनगो, डॉ. वाई सी कानूनगो एवं श्रीमती विमला की होनहार सुपुत्री अपने अध्ययनकाल में आरम्भ से ही प्रथम स्थान पर रही, इन्होंने एस.एस.सी., हॉली क्रास कानवेन्ट स्कूल, मुम्बई (72 %), डिप्लोमा सिविल इन्जिनियरिंग, गवर्नमेन्ट इन्जिनियरिंग कॉलेज, औरंगाबाद (77 %), से पास किया। कुमारी अभिरूची कानूनगो शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद, वादविवाद व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अग्रणी रही हैं। जब यह प्रथम वर्ष बी.ई.सिविल इन्जिनियरिंग की छात्रा थी तब इन्होंने इन्जिनियरिंग छात्रों के लिए "Fluid Machanics" नाम की पुस्तक लिखी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्टेट लेवल पर एक सेमीनार "Ready Mixed Concerete" पर आयोजित किया गया उसमें भाग लेकर इन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही अन्य सेमीनार जो कि मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स एण्ड फोरेस्ट द्वारा आयोजित था, में भाग लेकर द्वितीय एवं पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इन्होंने अध्ययन के साथ अन्य ट्रेनिंग प्रोग्राम Industrial Management, Marketing Management, SISI, Government of India ने आयोजित किये उसमें भाग लिया। वर्तमान में अभिरूचि, मुम्बई की एक कम्पनी "Plan and Pipes" ट्रेनी इन्जीनियर पद पर कार्यरत हैं, साथ ही मफतलाल पोलीटेकनिक कॉलेज, मुम्बई में अस्थाई रूप से अध्यापन कराती हैं।

ज्ञातव्य है कि Industrial Relation में Ph.D. की उपाधि प्राप्त डॉ. वाई सी. कानूनगो सिस्टम ऑफिसर के पद पर ए.सी.सी. भारत सरकार के उपक्रम में 27 वर्ष की सेवा के बाद स्वैच्छिक निवृति लेकर मुम्बई में निवासरत हैं। उल्लेखनीय है कि जब ये उदयपुर आए तब भटनागर सभा सूचना–पत्र एवं यहाँ की गतिविधियाँ देखकर बहुत प्रभावित हुए।

समाज इनसे गौरवान्वित है

राजस्थान चेप्टर–एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इन्डिया के अलवर में 19 अक्टूबर 2002 को हुए XIII वार्षिक प्रान्तीय अधिवेशन के उद्‌घाटन के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री भैरोंसिंह जी शैखावत द्वारा रवीन्द्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं युनिट अध्यक्ष, मेडीसीन विभाग – डॉ. एल. के. भटनागर को चिकित्सा जगत में की गई उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा एंव योगदान हेतु स्टेट ए.पी. आई. के "डिस्टिंग्युश्ड फिजिशियन –लाईफ टाइम एवार्ड" से सम्मानित किया गया जिसमें उन्हें शाल ओढ़ाकर प्रमाण–पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किये गए।

इसी अधिवेशन के दौरान डॉ. भटनागर को सर्वसम्मती से राजस्थान चैप्टर– ए.पी.आई. वर्ष 2002 का वाइस प्रेसिडेन्ट भी चुना गया।

नव सृजन

इस अंक में सुश्री रूचि पुत्री श्री मुकेश खेराड़ा द्वारा स्वरचित कविता "देश के ऐ नौजवां" प्रस्तुत है। आशा है प्रबुद्ध पाठकगण नवोदित साहित्यकार का उत्साहवर्द्धन करेंगे।

देश के ऐ नौजवां

जल रहा है देश तेरा कूटनीति में,
बुझ रहे हैं दीप इसके न्याय नीति के,
झूठ का साया घेरे हैं इसको,
जाग उठकर देख देश के ए नौजवां ।
रोशनी भी खो गई अंधेरे में इसके,
गुम गयी हैं देश की सच्चाइयाँ इसमें,
जीतना है इस अन्ध को गाँधी की नीति से,
जाग उठकर देख देश के नौजवां ।
बढ़ रहे कोहराम को अब शान्त है करना,
आतंक के तूफान को अब बन्द है करना,
बढ़े आगे साथ में, हमें साथ है चलना,
जाग उठकर देख देश के ए नौजवां ।

❖ रूची भटनागर (14 वर्ष)
पुत्री श्री मुकेश खेराड़ा

श्री सुनील पंचोली एवं श्रीमती कुसुम पंचोली (यू.एस.ए.) ने छात्रों को अध्ययन ऋण उपलब्ध कराने हेतु रू. 20,000 (बीस हजार) भटनागर सभा को उपलब्ध कराए हैं।

❖ आभार

"भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजन एवं कथा"

भगवान श्री चित्रगुप्त केवल मानव समाज का ही नहीं अपितु चर–अचर जगत, देवताओं एवं ब्रह्मा, विष्णु, महेश का भी लेखा जोखा रखते हैं। सृष्टि में यही ऐसा व्यक्तित्व है, जो तटस्थ है, जो न वरदान दे सकता है न अभिशाप। आज ऐसे ही व्यक्ति की आवश्यकता है जो वरदान पाकर शोषक न बन जाय और अभिशाप पा कर दलित।

आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि भैया दूज के अवसर पर अपने–अपने घरों पर परिवार सहित भगवान चित्रगुप्त जी की पूजा एवं कथा वाचन करें एवं सॉंय समाज के लिये आयोजित पूजा एवं कथा वाचन में सपरिवार पधारने का कष्ट करें ताकि दूसरे समाज के लोगों को इस बात का आभास हो कि हमारा मन कितना प्रमुदित है एवं समाज के उत्थान में कितना संलग्न।

इस बार कथा का आयोजन श्री सुरेश चन्द पचवारिया एवं परिवारजनों की तरफ से किया जा रहा है।

दिनांक – 6 नवम्बर 2002 (बुधवार)
स्थान – भगवान श्री चित्रगुप्त मन्दिर प्रांगण, बड़ा पटपड़ा
समय – सांय 7 बजे से

निवेदक :–

सुरेश चन्द पचवारिया एवं परिवारजन

कार्यकारिणी मटनागर सभा उदयपुर

खोलकुद प्रतियोगिताऐं

समन्वयक शैलेश खेराड़ा 2425196 (P.P.)
मनोज जालोरी 2410846
प्रवीण जालोरी 2561854

शतरंज प्रतियोगिताएं

स्थान:– आवास श्री प्रवीण जालोरी, 93 गायत्री मार्ग (नि:शुल्क प्रविष्टि)

केरम प्रतियोगिता

स्थान:– आवास श्री प्रवीण जालोरी, 93 गायत्री मार्ग (नि:शुल्क प्रविष्टि)
नोट :– केवल केरम सिंगल्स प्रतियोगिता ही आयोजित की जाएगी।
शुल्क :– 10/– रूपये प्रति खिलाड़ी

शतरंज एवं केरम प्रतियोगिता के सामान्य नियम

1. दोनो प्रतियोगिताएं दिनांक 9 व 10 नवम्बर 2002 को आयोजित की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 7 नवम्बर तक अपनी प्रविष्टियां, समन्वयक को पहुँचा देवें।
2. दोनो प्रतियोगिताओं में कम से कम 5 प्रविष्टियाँ अनिवार्य है।
3. महिला वर्ग की 5 अथवा अधिक प्रविष्टियाँ होने पर इस वर्ग की अलग से प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।
4. दोनो प्रतियोगिता की टाई दिनांक 9 नवम्बर को सांय 6 बजे, प्रतियोगिता स्थल पर ही निकाली जाएगी।
5. सभी प्रतियोगियों को खेल सम्बन्धी नियमों से, टाई के तुरन्त बाद अवगत करा दिया जाएगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता

दिनांक : 17 नवम्बर 2002, प्रात: 8 बजे
स्थान : महाराणा भूपाल कॉलेज, खेल मैदान।
(अ) डबल विकेट (नॉक आऊट) प्रवेश शुल्क 10/– प्रति खिलाड़ी
(ब) सिक्स–ए–साइड (नॉक आऊट) प्रवेश शुल्क 120/– प्रति टीम

नोट

1. इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्टि दिनांक 17 नवम्बर को प्रात: 7.30 बजे तक समन्वयक को दे सकते हैं।
2. टाई उसी दिन निकाली जाएगी।
3. खेल सम्बन्धी नियमों से प्रतियोगिता से पहले अवगत करा दिया जाएगा।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता

दिनांक : 24 नवम्बर 2002, प्रात: 8 बजे
स्थान :– महाराणा भूपाल कॉलेज, खेल मैदान।

❖ बालक वर्ग (6 वर्ष तक)
(अ) 50 मीटर दौड़ (ब) चम्मच दौड़

❖ सब जूनियर (6 से 10 वर्ष तक)
(अ) 100 मीटर (ब) 200 मीटर दौड़

❖ जूनियर (10 से 18 वर्ष तक)
(अ) 100 मीटर (ब) 400 मीटर दौड़ (स) लम्बी कूद

❖ सीनियर (18 वर्ष से अधिक)
(अ) 100 मीटर (ब) 400 मीटर (स) लम्बी कूद

❖ नोट ❖

1. बालक वर्ग में कम से कम तीन एवं अन्य वर्ग में पाँच प्रविष्टियाँ अनिवार्य है।
2. प्रविष्टियाँ प्रतियोगिताओं से तुरन्त पहले दे देवें।
3. नियमों से प्रतियोगिता से तुरन्त पहले अवगत करा दिया जाएगा। ❖❖❖

पिकनिक की सुगंध – यादों की हवा में

एक मान्यता है कि अकाल का दौर हो या फिर अनावृष्टि, ऐसे में यदि गाँव या शहर के बाहर गोठ (पिकनिक) का आयोजन किया जाए तो इन्द्र देवता प्रसन्न हो जाते हैं। आज के युग में भले ही ये कोरी कल्पना लेकिन ये सभी हाल का सच है।

1 सितम्बर 02, स्थान था – श्री अमरचंद जी महादेव और अवसर था भटनागर समाज की पिकनिक का। भोर की पहली किरण के साथ ही जागरूक कार्यकर्त्ताओं और इच्छुक स्वयंसेवकों ने अपने-अपने दायित्व का निर्वहन आरम्भ कर दिया। सभी का अपेक्षित सहयोग और अथक श्रम अंत तक साथ रहा और इसी सेवा-भावना और सहभागिता के कारण सुसफल रही एक यादगार पिकनिक।

आयोजन स्थल पर करीब साढ़े नौ बजे से ही विभिन्न बन्धुओं ने पहुँचना आरंभ कर दिया। साढ़े ग्यारह बजे, पधारे हुए सदस्यगण को चाय एवं नाश्ता वितरित किया गया और इसके तुरन्त बाद तीन चरणों में हाउजी गेम खेला गया।

जो उमस भरा दिन था, सदस्य भी तनाव में थे लेकिन उम्मीद थी कि वे गर्मी जितना पसीना बहा रही है शायद उतनी बारिश भी लाए और सभी को उमस की बैचेनी से राहत मिली तब, जबकि करीब 2 बजे पहाड़ियों के पीछे से काले घने बादलों ने बड़े शामियानों की तरह पूरे पिकनिक स्थल को ही ढक लिया। फिर कुछ ही पलों में बारिश की मोटी-मोटी बूंदें लय में आकर मूसलाधार बरसने लगी। करीब एक घण्टे तक चला बारिश का ये सिलसिला अब उमस से त्रस्त लोगों को सुकून दे रहा था।

बारिश के इस दौर से मौसम खुशगवार हो गया, इस खुशनुमा माहौल में युवा अपने आपको रोक नहीं पाए इन्हीं गिरती बूंदों के बीच उत्साही और उल्लासित युवाओं ने क्रिकेट खेलकर आनंद उठाया। शाम को चाय की चुस्कियों के साथ बालक वर्ग की एक मिनट प्रतियोगिता आयोजित की गई। एक बार पुनः आई वर्षा से बरिष्ठ वर्ग, महिला वर्ग की प्रतियोगिता बाधित हुई और उसे स्थगित करनी पड़ी, जिससे कई उत्साही मन को निराशा हुई।

राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री गुलाब चंद कटारिया ने भी कार्यक्रम में कुछ देर शिरकत की और भटनागर समाज द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपेक्षित सहयोग का आश्वासन दिया।

शाम 6 बजे आयोजन लगभग अंतिम चरण में था, बारिश के बाद जमीन से सौंधी महक निकल रही थी और इसी महकती जमीन पर बैठकर विभिन्न बन्धुओं ने गरम कढ़ी – चावल के साथ, दाल बाटी चूरमे का आनंद लिया। इंद्र देव की प्रसन्नता की अभिव्यक्ति भी उस दिन कहाँ सीमित थी, एक बार पुनः घर पहुँचते-पहुँचते उन्होंने सभी को अपने आनंद में फिर से सराबोर कर दिया और इस तरह से बीता आनंदमयी पिकनिक का पूरा एक दिन।

❖ विकास मोलावत

पिकनिक स्थल पर आयोजित 'एक मिनट' प्रतियोगिता परिणाम. (8 वर्ष तक की आयु के बालक)

प्रथम	:	हर्षुल पुत्र श्री राजीव नामोरी
द्वितीय	:	गेहुल पुत्र श्री मनोज जालोरी

श्रीमती अरूणा गुहानिया समाज एवं सांस्कृतिक मंत्री मनोनीत

दिनांक 06.10.2002 को आयोजित मासिक बैठक में पूर्व समाज एवं सांस्कृतिक मंत्री श्री नितिन डाकोल के व्यक्तिगत कारणों से पदमुक्ति चाहने पर पदमुक्ति स्वीकृत की गई।

कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु भटनागर सभा की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती अरूणा गुहानिया को सर्वसम्मति से पद की पूर्ति या अग्रिम चयन तक समाज एवं सांस्कृतिक मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

TRAINING SERVICE MANAGEMENT

TSM Institute of Development and Research

Recognized by Govt. of Rajasthan
A Micro finance organization
Cordially Greetings to you

Activities

a) Social welfare & Development
b) Rural & Urban Development
c) Women and Child Development
d) Talent search & Development
e) Health Management & Research
f) Vocational Training & awareness programme
g) Human Resource Development
h) Social forestry & Eco-Development
i) Educational Development & Research
j) N.I.C.S. New Delhi

"We have need always creative social worker"

Mrs. Reena Bhatnagar
Chief Executive officer

M. N. Bhatnagar
Chief Pattern

Manoj Bhatnagar
Founder Director

Collaboration :- I.I.H.M.R. (JPR), UNICEF, MC Aurthor foundation (U.S.A.)

H.O. : 864, Pooja Nagar, Hiran Magri, Sec - 4, Udaipur (Raj.)
Branch Office : South Ex. Part-II, New Delhi, Mumbai, Jaipur, Kota, Jhalawar, Dungarpur

Advertisment

प्रतियोगिता के परिणाम

हमारी संस्कृति मेहन्दी – रंगोली

मेहन्दी :	सुश्री श्रुति पुत्री श्री सुरेन्द मोलावत	प्रथम
	सुश्री अचला पुत्री श्री अशोक फिरोजाबादी	द्वितीय
रंगोली :	सुश्री श्रुति पुत्री श्री सुरेन्द मोलावत	प्रथम
	सुश्री पूनम पुत्री श्री आलोक फिरोजाबादी	द्वितीय

खेल के मैदान से

बैडमिन्टन (सिंगल्स) :

प्रथम – श्री मनोज पुत्र स्व. श्री गणपत सिंह जी जालौरी

द्वितीय – श्री लवलेश पुत्र श्री हरिनारायण जी जालौरी

बैडमिन्टन (डबल्स) :

प्रथम – श्री लवलेश एवं गौरव पुत्र श्री हरिनारायण जी जालौरी

द्वितीय – श्री अनुज पुत्र श्री सुरेन्द कुमार जी चोण्डावत
विकास पुत्र श्री कुबेर सिंह जी सहीवाला

टेबलटेनिस (सिंगल्स) :

प्रथम – श्री गौरव पुत्र श्री हरि नारायण जी जालौरी

द्वितीय – श्री अनिल पुत्र स्व. श्री मनोहर सिंह जी नागौरी

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए "लवकुश स्टेडियम" की व्यवस्था श्री सुधीर बक्षी, टी.टी. के लिए बॉल एवं बेट की व्यवस्था शैलेश खेराड़ा एवं शटल कॉक की व्यवस्था श्री सुनील मोलावत ने की एतदर्थ आभार।

एतदर्थ बधाई

❖ श्रीमती ममता W/o. श्री मुकेश खेराड़ा को शिक्षक दिवस पर सम्मानित करने पर बधाई

शिशु जन्म

1.	श्रीमती सीमा एवं उमेश कश्यपमहता	पुत्र	26.08.2002
2.	श्रीमती सपना एवं जयप्रकाश मुरडिया	पुत्र	09.09.2002
3.	श्रीमती सरिता एवं विकास मोलावत	पुत्र	29.09.2002
4.	श्रीमती नीलम एवं अनिल मोलावत	पुत्र	01.10.2002
5.	श्रीमती देवश्री एवं विनीत चोण्डावत	पुत्र	05.10.2002
6.	श्रीमती ऋतु एवं राहुल मोरावत	पुत्री	06.10.2002
7.	श्रीमती मोनिता एवं विक्रम चोण्डावत	पुत्र	14.10.2002

आगामी आकर्षण

भव्य मेले का आयोजन – 25 दिसम्बर 2002 स्थान की घोषणा शीघ्र ही।

कौन बनेगा हजारपति – स्थान व दिनांक की घोषणा शीघ्र ही कर दी जाएगी।

स्वर्गारोहण

1.	श्रीमती चतुर देवी पत्नी स्व. श्री भगवती प्रसाद जी	17.08.2002
2.	श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री गिरधर किशन जी	20.09.2002
3.	श्री जयमोहन जी पुत्र स्व. श्री रूपलाल जी, (कोटा)	11.10.2002
4.	श्री राकेश जी पुत्र स्व. श्री प्रभुलाल जी, (कोटा)	11.10.2002
5.	श्रीमती कमला जी पत्नी श्री कन्हैयालाल जी (मार्ड सा.)	19.10.2002
6.	श्रीघनश्याम सिंह जी पुत्र स्व. श्री गोविन्द सिंह जी (चित्तौड़)	24.10.2002

नवीन/संशोधित पता एवं दूरभाष संख्या

1.	श्री अरूण कमार पुत्र श्री जगतसिंह सहीवाला L-44, यू.आई.टी. क्वार्टर्स, सज्जननगर	2430100
2.	प्रदीप बुन्देला 148, रोड नम्बर–10, अशोक नगर	2412545
3.	श्री अशोक पुत्र श्री श्याम बिहारी जालोरी	2421353
4.	श्री हरनारायण पुत्र श्री मोहनसिंह जालोरी	2420234
5.	श्री कालिका प्रसाद पुत्र श्री नरसिंह प्रसाद डाकोत	2430100

उदयपुर से बाहर

1. श्री किशोर कानूनगो, जूनियर एच. आई.जी 70, 775762
ब्लाक–17, सहयाद्री, नदमदा रोड, भोपाल (म.प्र.), पिन . 426003

नवीन भूखण्ड क्रय में सहयोग

श्री सुरेन्द कुमार मोलावत पुत्र स्व. श्री भूपाल सिंह जी	2000
श्री हर्षवर्धन पुत्र स्व. श्री नारायण चन्द्र जी, जयपुर	2000
श्री बलवन्त सिंह जी पुत्र स्व. श्री इन्द्र सिंह जी मोरावत	1000
श्री राजकुमार पुत्र श्री मनोहर सिंह जी नागोरी	1000
सुरभि महिला क्लब (भटनागर समाज) उदयपुर	501
सुश्री श्वेता भटनागर पुत्री स्वर्गीय विनोद भटनागर	501

❖❖❖

समय–समय पर बुलेटिन एवं फोल्डर्स के माध्यम से हमने आपसे अनुरोध किया था यदि आपके परिवार का बालक बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में 60 % से अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसकी सूचना मय अंक तालिका के फोटो प्रति केवल अध्यक्ष या महामंत्री को उपलब्ध करायें। इनके नाम बधाई 'सूचना–पत्र' में निःशुल्क प्रकाशित की जायेगी। साथ ही प्राप्त सूचना के आधार पर सर्वाधिक प्रतिशत अंक पाने वाले छात्र/छात्रा को सम्मानित किया जायेगा। कृपया अपने बालकों का उत्साहवर्धन करें। सभा को सहयोग दें। अत्यन्त खेद है कि अब तक बहुत ही सीमित संख्या में सूचना प्राप्त हुई है कृपया अब भी 31 दिसम्बर 2002 तक सूचना अध्यक्ष या महामंत्री को अवश्य पहुचांए – इस तिथि तक प्राप्त सूचना के आधार पर सूची तैयार कर उन्हें पुरस्कृत कर दिया जाएगा।

सांझी एक दृष्टि

सांझी भाद्रपद की पूर्णिमा से प्रारम्भ होती है। इसको कुंवारी कन्याएँ विशेष रूप से घर के बाहर दीवार पर बनाती है। इसको बनाने का मुख्य उद्देश्य कुंवारी कन्याओं द्वारा श्रेष्ठ वर की मनोकामना है।

संझया की आकृतियाँ घर के मुख्य द्वार के नजदीक दीवार पर पुताई कर गेरू या लाल मिट्टी से चौका (निश्चित आकृति) बनाया जाता है। इन आकृतियों में चाँद, सूरज, सध्यामाता, कौआ आदि की आकृतियाँ सुनिश्चित हैं। यह सभी आकृतियाँ गाय के गोबर से उकेरी जाती हैं एवं फूल पत्तियों से सजाई जाती है।

यह आकृतियाँ तिथी अनुसार संध्या के समय उकेरी जाती है। अगली आकृति उकेरते समय पहले की आकृति को कुरच कर एक जगह एकत्रित कर नई आकृति बनाने से पहले गेरू का चौका दुबारा लगाया जाता है। यह क्रम पूर्णिमा से एकादशी तक चलता है। द्वादशी के दिन बनाया जाने वाला कोट अमावस्या तक बना रहता है तथा नवरात्री की प्रतिपदा के दिन इस कोट को प्रातःकाल हटाया जाता है व सभी कन्याएँ एकत्रित संझया को तालाब में विसर्जित करती हैं। इस दिन गुड़ धाणी (भीगे हुए गेंहूँ सेक कर उसमें गुड़ मिलाकर बनाया जाता है) बनाई जाती है। इस गुड़धाणी को 15 कुलकियों (मिट्टी का बना हुआ छोटा सा पात्र) में भरकर अपनी सहेलियों तथा एक बड़े कुलके में किसी लुम्भ्यो (लड़के) को दिया जाता है। इस प्रकार संझया का उद्यापन किया जाता है।

रोज प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर कन्या को संझया पर बनी कौवे की आकृति को हटाना होता है (पौराणिक मान्यता है कि प्रातः उठने में यदि देरी हो जाये और कौवे की आवाज सुनाई पड़ जाये तो सांझी का फल प्राप्त नही होता।

सुश्री प्रमोदिनी बक्षी

संझया री आरती

संझया री मम्मी, संझया ने भेजो करे
संझया री आरती, पाना फुलड़ा भरे
चमेली केसर भरीयो वाटको

संझया तो मांगें, हरो–हरो गोभर
कठा सुं लाऊ भाई, हरो–हरो गोभर

संझया तो मांगे, घी रो डाबो
कठा सुं लाऊ भाई, घी रो डाबो

संझया तो मांगे, शक्कर री बोरी
कठा सुं लाऊ भाइ, शक्कर री बोरी

संझया तो मांगे, कंकु री डाबी
कठा सुं लाऊ भाई, कंकु री डाबी

संझया तो मांगे, पाणी रो लोठ्यो
कठा सुं लाऊ भाई, पाणी रो लोठ्यो

संझया री मम्मी, संझया ने भेजो करे
संझया री आरती, पाना फुलड़ा भरे
चमेली केसर भरीयो वाटको

पिंकी री मम्मी, पिंकी ने भेजो
करे संझया री आरती,
पाना फुलड़ा भरे चमेली
केसर भरीयो वाटको,

संझया की आरती प्रतिदिन गायी जाती है।

प्रेषकः–
देवेश भटनागर
महामंत्री
51, इन्द्रप्रस्थ कॉम्पलेक्स,
रोशन जी की बाड़ी,
हि.म. से. 14, उदयपुर
☎ 2481697

बुक पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान् / श्रीमती ––––––––––––––––––––
––––––––––––––––––––
––––––––––––––––––––

सम्पर्क सूत्र : कैलाश नारायण भटनागर, अध्यक्ष, भटनागर सभा, 3–प–4, प्रभात नगर, से. 5, उदयपुर दूरभाष 2464769
साँचा कम्प्यूटर्स फोन 5100318